राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार , 23 मार्च 2025
वर्ष 13, अंक 327, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय बिशनपुर विश्राम में बड़ा घोटाला : सूत्र...03

मथुरा के असली कारागार में श्रीकृष्ण की 'आर्टिफिशियल जेल'...04

जस्टिस वर्मा विवाद अब सीबीआई-ईडी से जुड़े केस में

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम पहले सीबीआई की एक एफआईआर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक ईसीआईआर में आया था। उस समय वो 2014 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत होने से पहले एक कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे। जस्टिस वर्मा, जो अभी तक दिल्ली हाईकोर्ट में सेवा दे रहे थे, उनके सरकारी आवास से कथित तौर पर कैश बरामद हुआ और उसके बाद सोशल मीडिया पर उनके पर आरोपों की बौछार कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया। उनके खिलाफ़ एक आंतरिक जांच भी शुरू हो गई। सीएनएन-न्यूज़18 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने सिम्भावली शुगर्स मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को जांच का आदेश देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया था। 2018 में दर्ज की गई सीबीआई एफआईआर में वर्मा को 2012 में सिम्भावली शुगर्स के गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बताया गया था। उन्हें आरोपी नंबर 10 के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। सभी आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। फरवरी 2018 में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स द्वारा सिम्भावली शुगर मिल को दिए गए लोन के संबंध में सीबीआई एफआईआर दर्ज की गई थी। कंपनी ने कथित तौर पर किसानों को उनके कृषि उपकरणों और अन्य जरूरतों के लिए वितरित करने के लिए भारी लोन लिया था, लेकिन बाद में इसका दुरुपयोग किया और पैसे को अपने अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया। यह आरोप लगाया गया था कि धन का स्पष्ट रूप से दुरुपयोग हुआ था। एफआईआर में कहा गया कि कंपनी द्वारा प्राप्त धन का इस्तेमाल अलग मकसदों के लिए किया गया था। बैंक ने सिम्भावली शुगर्स लिमिटेड को 97.85 करोड़ रुपये की राशि के लिए संदिग्ध धोखाधड़ी घोषित किया था। बैंक ने इस बारे में 13.05.2015 को भारतीय रिजर्व बैंक को सूचित भी किया था। सीबीआई ने 12 लोगों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें यशवंत वर्मा का नाम कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में दसवें नंबर पर था। सीबीआई एफआईआर के पांच दिन बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी 27.02.2018 को मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम, 2002 की धारा 3/4 के तहत पुलिस स्टेशन-प्रवर्तन निदेशालय, जिला-लखनऊ में शिकायत दर्ज की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल कहा था कि इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश देना हाईकोर्ट की गलती थी, क्योंकि कोई जांच जरूरी नहीं थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि धोखाधड़ी के लिए कानून के अनुसार कार्रवाई करने से प्राधिकरणों को रोका नहीं गया है। बहरहाल, एफआईआर दर्ज होने के थोड़े समय बाद सीबीआई ने वर्मा का नाम एफआईआर से हटा दिया था, और एजेंसी ने कोर्ट को सूचित किया था कि उनका नाम हटाया जा रहा है।

जस्टिस यशवंत वर्मा पर सीजेआई को रिपोर्ट सौंपी गई

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को एक रिपोर्ट सौंपी है। अभी इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। होली की रात, 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में लगभग 11ः35 बजे आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए दिल्ली अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। लेकिन उसके बाद सुनियोजित तरीके से अफवाह फैली की जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के कथित तौर पर कैश बरामद हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एक आंतरिक जांच शुरू की है। इसके साथ ही, उनकी इलाहाबाद हाई कोर्ट में तबादले की सिफारिश को भी माना गया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि ट्रांसफर का प्रस्ताव कॉलेजियम ने दिया था। इस घटना ने न्यायिक हलकों में हलचल मचा दी है। जस्टिस वर्मा वर्तमान में दिल्ली हाई कोर्ट में सेवा दे रहे हैं और इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट में भी कार्य कर चुके हैं। इस मामले में पारदर्शिता की मांग की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट अब इस जांच रिपोर्ट की समीक्षा कर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेगा। यह मामला न केवल न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है, बल्कि इसकी गहन जांच की आवश्यकता को भी रेखांकित कर रहा है। इस घटनाक्रम से पहले दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को उस व्यक्ति के रूप में जाना जाता था, जिन्होंने ईडी की जांच पर अंकुश लगाते हुए फैसला सुनाया था कि केंद्रीय जांच एजेसी मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा किसी अन्य अपराध की जांच नहीं कर सकती है। वो यह नहीं मान सकती है कि कोई अंतर्निहित अपराध किया गया है। जब तक कि आरोप साबित न हो जाएं। उन्होंने ऑक्सफैम इंडिया, केयर इंडिया जैसे एनजीओ से जुड़े कई मामलों को भी निपटाया। जनवरी 2024 में, उन्होंने दोनों एनजीओ की टैक्स छूट की स्थिति को रद्द करने वाले आयकर विभाग द्वारा पारित आदेश पर रोक लगा दी। हालांकि इस साल फरवरी में उन्होंने समाचार पोर्टल न्यूज़ क्लिक द्वारा दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें आयकर विभाग के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उसे 2 मार्च को या उससे पहले बकाया कर मांग के रूप में ?19 करोड़ से अधिक का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने जनवरी 2023 में नेटफ्लिक्स के पक्ष में फैसला सुनाया था, जबकि 1997 के उपहार सिनेमा त्रासदी पर आधारित फिल्म ÷ट्रायल बाय फायर÷ की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

इफको देश और किसान के विकास के लिए कटिबद्ध : बाल्मीकि त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। किसान ही अन्न का सृजन कर रहा है इस कारण वह पूजनीय है और इफको किसानो के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इफको के दो उत्पाद इफको नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी किसान की खेती की लागत को कम करने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण उर्वरक हैं। उक्त बातें मोतीलाल नेहरू फार्मर्स ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट कार्डेट इफको फूलपुर में समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नैनो उर्वरकों की आधुनिक कृषि में उपयोगिता संगोष्ठी के दौरान कॉरडेट प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री बाल्मीकि त्रिपाठी जी ने कहीं। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के विकास मे महिलाओं का अहम योगदान है। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ आर के नायक उपमहाप्रबंधक कृषि सेवाएं इफको लखनऊ ने विस्तार से नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी तथा जैव उर्वरक व जैव अपघटक के प्रयोग के विषय में जानकारी दी। कार्डेट प्रबंध समिति सदस्य श्आ रपी सिंह बघेल ने किसानों को खेती के प्रति सचेत होकर कार्य करने की सलाह दी। कॉर्डेट प्रबंध समिति सदस्य भारत त्रिपाठी ने प्राचीन कहावतो के उदाहरण देते हुए खेती को उत्तम तरीके से अपनाने की बात कही। ताकि आने वाले समय में हमें किसी खाद्यान्न की कमी का एहसास ना हो। इसी क्रम में कार्डेट प्रबंध समिति के सदस्य और पद्मश्री से सम्मानित रामशरण वर्मा ने खेती की नई तकनीक अपनाते हुए खेती के क्रम को किस तरह से किया जाए कि अधिक से अधिक लाभ हो की विस्तार से जानकारी दी। यह भी बताया कि किस प्रकार से आलू और केले की खेती मैं नैनो उर्वरकों के प्रयोग से लाभ लिया जा सकता है। इफको उ0प्र0 के राज्य विपणन प्रबंधक एवं सचीव कोरडेट ने नैनो उर्वरकों की जरूरत क्यों पड़ी इस विषय पर बहुमूल्य जानकारी दी। और कहा कि किसानों के प्रश्नों और समस्याओं के समाधान के लिए इफको सदैव आगे रही है। सभा में इफको फूलपुर इकाई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक श्री संजय कुदेशिया ने किसानों से वार्ता की और ड्रोन से छिड़काव संबंधी समस्याओं के निवारण की बात कही। कॉरडेट प्रबंध समिति के सदस्य श्री श्री राज दत्त पाण्डेय एवं श्री अभय चौधरी भी उपस्थित रहे। भारी संख्या में कृषक पुरुष एवं महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थिति रही। खानपुर दांडी केसरी रणजीत सिंह ने नैनो उर्वरकों से उत्पादित अपने खेतों में उत्पादित आलू का प्रदर्शन किया साथ ही भोगवारा ग्राम की श्रीमती राजकुमारी ने कॉर्डेट में प्रशिक्षण के उपरांत स्वयं द्वारा बनाए गए आंवला के मुरब्बा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कॉर्डेट फूलपुर के प्रधानाचार्य डॉक्टर हरिश्चंद्र जी ने माननीय अतिथियों का स्वागत कृषक बंधुओ द्वारा कराते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में आए हुए कृषकों को दराती का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में कारडेट की सहायक प्रबंधक श्रीमती सविता शुक्ला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान आईआरडीपी प्रभारी राजेश कुमार सिंह उपस्थित थे

संक्षिप्त ख़बरें

विश्व जल दिवस के उपलक्ष में बालाजी वेफर्स संडीला द्वारा जल संचयन के लिए ली गई शपथ

हरदोई। विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में बालाजी वेफर्स प्राइवेट लिमिटेड संडीला द्वारा जल संचयन एवं संरक्षण हेतु एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कंपनी के यूनिट हेड शिव शंकर टेकाले द्वारा की गई। यूनिट हेड द्वारा बताया गया कि जल हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है और घटता जल स्तर को लेकर पहले खुद को जागरुक करना है इसी पर आधारित अपने कर्मचारियों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें सही जवाब देने पर कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसी के साथ ही शिव शंकर टेकाले द्वारा अपने सभी कर्मचारियों को जल शपथ दिलाई गई जिसमें जल को बचाने, जल का समुचित उपयोग करने, जल संचयन एवं जल शक्ति अभियान ग्लेशियरसंरक्षण को बढ़ावा देने में सहयोग करने एवं जल व्यर्थ नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर रोहित गिरि, कृष्णा पटेल, भूपेंद्र कुशवाहा, कंपनी के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों में ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, स्मार्ट कैन, वॉकिंग स्टिक का हुआ वितरण।

हरदोई संडीला में दिव्यांग उपकरण कैंप का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संडीला विधायक श्रीमती अलका अर्कवंशी,

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमित गुप्ता, खंड विकास अधिकारी संडीला श्रीमती प्रतिमा शर्मा ,सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण सुबोध कुमार सोनकर, सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री लाल सिंह तथा अन्य कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। इस कैंप में 60 ट्राई साइकिल ,10 व्हील चेयर, 10 जोड़ी बैसाखी, 10 वाकिंग स्टिक का विधायक अलका अर्कवंशी के कर कमलो द्वारा वितरण

एक से 30 अप्रैल तक चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक से 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय के साथ निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार काम करें और अभियान को सफल बनाएं। सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी संचारी अभियान हेतु एक व्हाट्सएप ग्रुप बना लें तथा अभियान से संबंधित प्रचार प्रसार/शैक्षणिक सामाग्री ग्रुप पर प्रेषित करें। सभी संबंधित विभाग ब्लाक स्तर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी से समन्वय स्थापित कर शासन द्वारा निर्धारित समय तालिका अनुसार प्रशिक्षण कराना सुनिश्चित करें। 28 मार्च तक सभी विभाग अपना माइक्रोप्लान नोडल विभाग स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध करा दे।उन्होंने कचरा निस्तारण, सूकरबाड़ों को आबादी से दूर रखने, आबादी वाले क्षेत्रों में घरों के आस-पास झाड़ियों की साफ- सफाई, नालियों को ढकने, घर से छछूंदर, चूहों को भगाने, जल भराव को रोकने, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शासन द्वारा उत्तर प्रदेश सहित देश के कई भागों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में वेक्टरजनित और जलजनित रोगों के आउटब्रेक्स अधिक होने की संभावना है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने गर्मी के मौसम से संबंधित रोगों के बारे में विभिन्न विभागों के परस्पर समन्वय से प्राथमिकता के आधार पर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर लोगों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था करने, गर्मी से बचाव के लिए शेल्टर्स की सुविधा, हीट वेव से बचाव के लिए उपायों का विद्यालयों एवं जनमानस में व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही 10 से 30 अप्रैल तक चलने वाले दस्तक अभियान में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दिमागी बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई), फाइलेरिया, काला जार, क्षय रोग, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों और कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सम्पूर्ण विवरण ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। इसके साथ ही घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों की आभा आई0डी0 (आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट) बनाएंगी। दस्तक अभियान में आशा और आ0बा0 मच्छर प्रजनन पाए जाने वाले घरों का विवरण निर्धारित प्रपत्र पर भरकर सम्बन्धित स्वास्थ्य केंद्र को उपलब्ध कराएंगी।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.

पूर्व संपदा प्रबंधक पद्माकर त्रिपाठी का किया गया स्वागत एवं अभिनंदन

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। इफको के पूर्व संपदा प्रबंधक पद्माकर त्रिपाठी का लखनऊ में इफको अधिकारी संघ फूलपुर के पदाधिकारियों ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। बता दे कि पिछले वर्ष श्री त्रिपाठी फूलपुर से सेवा पूर्ण करके अवकाश प्राप्त करने बाद सीधे अपने आवास लखनऊ चले गए थे और कोई विदाई कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे।अधिकारी संघ अपने अवकाश प्राप्त अधिकारी का विदाई समारोह करके उनका स्वागत और शुभकामना देता रहा है लेकिन तिवारी बिना रुके दूसरे दिन ही चले गए थे।उसी कार्य क्रम के तहत अधिकारी संघ ने लखनऊ में कल जाकर उनका स्वागत और सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया।इस कार्यक्रम में अधिकारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।फूलपुर अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनुराग तिवारी महामंत्री स्वयंप्रकाश वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य संजय अवस्थी कर्मचारी संघ के महामंत्री विजय यादव आंवला इकाई के अनिल दुबे सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

कार्यवाही अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक 3,684 लोगों को किया गया गिरफ्तार 18.57 लाख रुपये वसूल किया गया जुर्माना

अनावश्यक कारणों से अलार्म चेन पुलिंग करने वालों पर प्रयागराज मण्डल की कड़ी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल द्वारा ट्रेनों में अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। चेन पुलिंग की यह अवैध गतिविधि ट्रेनों के सुचारू संचालन में बाधा डालती है और यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। इसे रोकने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में फरवरी माह तक मंडल में 3688 चेन पुलिंग के मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 3,684 लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुल 18.57 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई सुनिश्चित करती है कि रेल सेवाएं समय पर संचालित हों और यात्रियों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। स्टेशनवार आंकड़ों के अनुसार, प्रयागराज जंक्शन पर 375 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 373 यात्रियों की गिरफ्तारी हुई और 2,23,758 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अलीगढ़ जंक्शन पर 349 मामलों में सभी यात्रियों को गिरफ्तार कर 1,15,560 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कानपुर सेंट्रल में 492 मामलों में 490 यात्रियों की गिरफ्तारी हुई और 2,84,309 रुपये की वसूली की गई। इटावा जंक्शन में 283 मामले सामने आए, जहां 286 यात्रियों को गिरफ्तार कर 1,07,605 रुपये का जुर्माना लगाया गया। फतेहपुर स्टेशन* पर 219 मामलों में सभी यात्रियों को गिरफ्तार कर 1,23,490 रुपये की वसूली की गई। *मिर्जापुर स्टेशन* पर 240 यात्रियों को गिरफ्तार कर 1,48,515 रुपये का जुर्माना वसूला गया। शिकोहाबाद स्टेशन पर 99 मामले दर्ज हुए, जिनमें सभी यात्रियों की गिरफ्तारी हुई और 37,490 रुपये का जुर्माना लगाया गया। टूंडला जंक्शन पर 301 मामलों में 299 यात्रियों को गिरफ्तार कर 88,885 रुपये की वसूली की गई। उत्तर मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि अनावश्यक चेन पुलिंग न करें और यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें। चेन पुलिंग का दुरुपयोग न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि अन्य यात्रियों को भी असुविधा पहुंचाता है। रेलवे प्रशासन ट्रेनों की समयबद्धता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सतर्क है और यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करता है ताकि सभी को एक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

होली मिलन समारोह का क्षत्रिय सुनार युवक समिति एवं महिला समाज द्वारा किया गया आयोजन।

प्रयागराज। धर्मशाला के प्रागण में होली मिलन का रंगारंग कार्यकम पूर्व वर्षो की भाँति इस वर्ष भी अपनी से भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ जिसमे ब्रजभान समिति की ओर से होली के गीत एवं सुन्दर-सुन्दर झाकियों प्ररस्तुत किया गया। धगशाला समिति के द्वाध्यास रोहित वगी, महामंत्री इन्देश नाथ को कोषाध्यास शिवम सोनी एवं महिला समिति के अध्यक्ष श्री मती कान्ति जोड महामंत्री स्वना वत्री, कोषाध्यक्ष आशा सोनी एवं सजग बनी (प्रधास प्रभाग सरका अशोक कुमार वर्मा, शिवशंकर कभी, गोपाल जी स्वर्णकार, खीन्द्र कुमार वर्मा पापू जी कुत्री, अवधेश नरायण वर्मा, गोपीनाथ कमी, राजनाथ वत्री, कामता प्रसाद राजेश वगी, हरीश बूमी, अशोक बाबू, अशोक क्यों, श्याम जी की है विश्वरि अजीत सोली, सोलो, अनूपवमी, परमानन्द कमी, गोविन्द जी स्वीकार, विक्की नमी, सतीश रिंकू वर्मा, जौखवणी, विजय कृष्ण वगी, सुधीर कमी, मनीष स्वर्णकार एवं महिला भण्डन की साधना वमी, रत्ना वगी, ए रत्ना वगी, ऊषा की, रीना सोनी, शलिनी नगी, रत्नेश वयी, प्रऋतु वभी साधना कभी, मिन्द्र वगी, रिया नभी, राधा कभी, इजा वनी, पूनम वणी, चन्दा कुत्री, रीना व रिया सोनी, सुषमा शोनी, भंजना वयी आराधना कभी, लवली वत्री, नीलम कभी, अंजना से किक प्रीति वगी, नीतू बगी, सोनग वमी, अर्चना कभी, पूनमवमी, किरण बभी, संगीता सुभावनी, गीता सोली, शुष्मा सोनी, शुभी कमी, वन्दना वनी, प्रनिभा नंगी, लता वगी जौरी कमी, अनुराधा वर्मा, निधिवनी गुजा की, स्नेहा,सोमराज वर्मा खत्री, प्रिया वगी, लवली सोन स्वेता व्रत्री, प्रिणा उपस्थित रहे।

अरविंद तिवारी की पुड़ी पुन्डय तिथि पर गरीबों को वस्त्र वितरण

ब्यूरो प्रयागराज। अरविंद तिवारी के पुण्यतिथि के स्मृति में उनके पैतृक गांव मालिक पुर नोनरा गांव में में गरीब महिलाओं को वस्त्र वितरित किया गया। बता दे स्वर्गीय अरविंद इफको अधिकारी संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष

जितेंद्र तिवारी के सबसे छोटे भाई थे और कम उम्र में उनका देहावसान हो गया था। तिवारी परिवार सदैव गरीबों के लिए अनेक मौकों पर मदद करने का कार्यक्रम करते रहते है।अरविंद के पिता सुधाकर तिवारी भी सामाजिक कार्यों में बहुत रुचि रखने वाले इफको के अधिकारी थे। इस अवसर पर उनके चाचा श्रीनेत्र तिवारी तथा जितेंद्र तिवारी और सुरेन्द्र तिवारी उपस्थित थे।

भगवान अमित शाह को शक्ति प्रदान करे

मैं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुंह में घी-शक्कर भर देना चाहता हूँ, क्योंकि उन्होंने संसद में अहम घोषणा करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। 375 दिन में नक्सली खत्म, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस गारंटी को पूरा करने में सीआरपीएफ, डीआरजी, एसटीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के जवान जुट गए हैं।गूगल की परिभाषा के मुताबिक नक्सलवाद साम्यवादी क्रान्तिकारियों के उस आन्दोलन का अनौपचारिक नाम है जो भारतीय कम्युनिस्ट आन्दोलन के फलस्वरूप उत्पन्न हुआ।

सब जानते हैं कि नक्सलवाद से अकेले छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु ओडिशा,महाराष्ट्र और झारखण्ड भी बुरी तरह प्रभावित रहा है। चूंकि ये एक उग्र संगठित आंदोलन है इसलिए इसके समर्थक भी हैं और ये विचार जंगलों से चलकर शहरों तक आ चुका है इसीलिए शहरों में रहकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है ,हालाँकि ये एक गलत परिभाषा है। क्योंकि शहरी नक्सलियों के पास बंदूकें नहीं किताबें और बुद्धिबल होता है।

बहरहाल देश को नक्सलियों से मुक्ति दिलाने की बात हो रही है । देश में यदि सरकार चाहे तो कोई भी वाद समाप्त किया जा सकता है ,वो भी बिना बन्दूक के। लेकिन हर सरकार नक्सलवाद से बन्दूक से निबटती आयी है। नकस्लवाद के खिलाफ लड़ते हुए सरकारों ने अपने तमाम अर्धसैन्य बल को खपाया ह। बड़ी तादाद में हमारे जवान मारे गए हैं ,नक्सल विरोधी अभियान में जितने नक्सली मारे गए उससे ज्यादा वे आदिवासी मारे गए जो एक तरफ नक्सलियों से परेशान होते हैं और दूसरी तरफ पुलिस से। नक्सलियों के नाम पर निर्दोष आदिवासियों को फर्जी मुठभेड़ों में मरने की सैकड़ों वारदातें देश में हो चुकी हैं।

सवाल ये है कि क्या सचमुच नक्सलवाद समाप्त हो जायेगा । यदि सरकारी दावों को सही माना जाये तो गृह मंत्री की इस मुहिम का असर दिखने लगा है। घने जंगल में और नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर सीआरपीएफ व दूसरे बलों के जवान 48 घंटे में 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित कर रहे हैं। अब इसी एफओबी के चक्रव्यूह में फंसकर नक्सली मारे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने ऐसा जाल बिछाया है कि जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक, वे सरेंडर कर दें और दूसरा, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गोली खाने के लिए तैयार रहें।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक नक्सलियों के गढ़ में अभी तक 290 से ज्यादा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं। 2024 में 58 कैंप स्थापित हुए थे। इस वर्ष 88 कैंप यानी एफओबी स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर काम शुरु हो चुका है। ये कैंप नक्सल के किले को ढहाने में आखिरी किल साबित हो रहे हैं। जिस तेजी से %फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस% स्थापित हो रहे हैं, उससे यह बात साफ है कि तय अवधि में नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। सुरक्षा बल, नक्सलियों के गढ़ में जाकर उन्हें ललकार रहे हैं।

इस साल जनवरी में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र, गरियाबंद में ऑपरेशन ग्रुप ई30, सीआरपीएफ कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन और एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) की संयुक्त पार्टी के साथ हुई एक बड़ी मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। भारी संख्या में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ। उस ऑपरेशन में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली जयराम चलपती भी ढेर हुआ था। फरवरी में बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में हुई मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे।नक्सलियों के हमलों में भी बड़ी संख्या में नागरिक और पुलिस तथा अर्धसैन्य बल के जवान भी मारे जाते रहे हैं।

एक जमाने में मध्यप्रदेश और बिहार में डाकुओं का आतंक भी ठीक वैसा ही था जैसा इन राज्यों में डकैतों का था । मप्र में डकैत उन्मूलन 2006 में पूरा हो गया । अब चम्ब्ल के बीहड़ सूने पड़े हैं। चंबल में आखरी सूचीबद्ध डाको गिरोह जे जे उर्फ़ जगजीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में सूचीबद्ध गिरोह हैं लेकिन बराये नाम। डाकुओं की तरह नक्सलियों का खतम आसान नहीं है क्योंकि नक्सली एक राजनीतिक विचारधारा से जुड़े हैं। डाकुओं की कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं थी इसलिए उनका खात्मा आसान रहा है। नक्सलियों के साथ ऐसा नहीं है। लेकिन यदि सरकार चाहे तो नक्सल समस्या का हल हो सकता है। लेकिन देश के वनवासी इलाकों के लिए जिस तरह की नीतियां सरकार बनाती है उनसे नक्सलवाद का सामना करना आसान नहीं है ।यदि होता तो नक्सलवाद अब तक समाप्त हो चुका होता।

आपको बता दें कि नक्सलियों से निबटने के लिए हर सरकार ने काम किया फिर चाहे वो कांग्रेस की सरकार रही हो या भाजपा की या वामपंथियों की सरकार। सबने नक्सल्वाद को बन्दूक से समाप्त करने की कोशिश की। मैंने अपने छात्र जीवन में पढ़ा था कि नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान स्टीपेलचेस अभियान था वर्ष 1971 में चलाया गए इस इस अभियान में भारतीय सेना तथा राज्य पुलिस ने भाग लिया था। अभियान के दौरान लगभग 20,000 नक्सली मारे गए थे।लेकिन इस महा अभियान के बाद भी नक्सलवाद समूल समाप्त नहीं हुआ। दूसरा बड़ा अभियान वर्ष 2009 में ग्रीनहंट के नाम से चलाया गया। । इस अभियान में पैरामिलेट्री बल तथा राष्ट्र पुलिस ने भाग लिया। यह अभियान छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र में चलाया गया। कोई सात साल पहले 3 जून, 2017 को छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों द्वारा अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'प्रहार' को प्रारंभ किया गया। किया गया।एके जमाने में हमारे मित्र और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी केएस शर्मा ने भी इस अभियान को गांधीवादी तरिके से समाप्त करने की कोशिश की थी लेकिन उसे सरकारों का ज्यादा समर्थन नहीं मिला।

बहरहाल नक्सलवाद के खिलाफ जंगलों से लेकर शहरों तक में अभियान जारी है। अब देखना है की भाजपा इस मामले में मिटनी कामयाब होती है।

राकेश अचल

संपादकीय

नैतिक सिद्धान्तों पर भारी भौतिकवाद

(संस्कारों से परे होता समाज)

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहींद्य यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि पहाड़, झरना, नदिया,जंगल और प्रकृति द्वारा दिए गए उपहार के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच,स्पृहा, कामना,कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भव सागर में कूद पड़ता है।

परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे।

आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है ।इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा हैद्य प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया हैद्य भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा हैद्य व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा हैद्य समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्व'स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है । सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी,आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है।

संजीव ठाकुर

कब रुकेगा यह शर्मसार करने वाला दौर?

[यौन हिंसा के विरुद्ध-शिक्षा, संस्कार और सशक्त कानून की पुकार]

यौन हिंसा एक ऐसा कोढ़ है जो मानवता के मस्तक पर स्याह कलंक बनकर मँडराता है। यह महज एक अपराध नहीं, बल्कि एक ऐसा गहरा घाव है जो समाज की संवेदनाओं को लहूलुहान करता है, संस्कृति की जड़ों को कुरेदता है और नैतिकता के पैरों तले जमीन खींच लेता है। इसकी पैठ इतनी गहरी है कि इसे उखाड़ फेंकना किसी एक कानून या सजा के बूते की बात नहीं। यह एक ऐसा तूफान है जिसके सामने खड़े होने के लिए समाज के हर कोने से जागृति की लहर उठनी होगी। हमें अपनी संस्कृति को नए सिरे से गढ़ना होगा, नजरिए को तपा हुआ सोना बनाना होगा और मानवता के प्रति एक ऐसी संवेदना जगानी होगी जो दिलों को झकझोर दे। हाँ, यह मुमकिन है, मगर इसके लिए एक ऐसी क्रांति चाहिए जो सिर्फ शब्दों तक सीमित न रहे–एक ऐसी आग जो मन के अंधेरों को जलाए, विचारों को पिघलाए और व्यवहार को नए सांचे में ढाले।

शिक्षा- सम्मान और समता का पहला पाठ

यौन हिंसा का अंत वहीं से शुरू होता है, जहाँ मन एक कोमल मिट्टी की तरह गढ़ा जा सकता है–बचपन की उस नन्हीं उम्र से। शिक्षा को किताबों की धूल भरी अलमारियों तक कैद नहीं रखा जा सकता; इसे एक तलवार बनाना होगा, जो अज्ञानता के बंधनों को काटे और संवेदना की रोशनी बिखेरे। स्कूलों की चारदीवारी में बच्चों को सिर्फ अक्षरों का पहाड़ न रटाया जाए, बल्कि सम्मान की गहराई, सहमति की ताकत और समानता का सबक सिखाया जाए। उन्हें यह एहसास दिलाया जाए कि हर इंसान की इज्जत एक अनमोल रत्न है, जिसे ठेस पहुँचाना किसी सभ्य समाज की कल्पना के परे है। लड़कियों को उनकी भीतर की आग का अहसास कराया जाए, जो दुनिया को रोशन कर सके, और लड़कों को वह कोमलता दी जाए, जो दूसरों के दर्द को समझे। यह शिक्षा कक्षा की स्लेट से आगे बढ़े, घर की दहलीज पर जन्म ले–जहाँ माँ-बाप अपने बच्चों के हाथ में नैतिकता का वह दीया थमाएँ, जो अंधेरे को चीरता हुआ उजाले की राह बनाए। जब नन्हे मन यह सीख लेंगे कि हर भावना की कद्र और हर सीमा का सम्मान ही इंसानियत की नींव है, तो यौन हिंसा जैसी कालिमा की जड़ें अपने आप काँपने लगेंगी।

कानून- न्याय की तेज धार

कानून वह आग बन जाए जो अपराधियों के मन में खौफ की लपटें भड़काए–एक ऐसा डर कि अपराध का खयाल भी उनके दिल को सौ बार कँपकँपा दे। इसके लिए कानून को सिर्फ सख्ती का लबादा नहीं ओढ़ाना होगा, बल्कि उसकी धार को इस कदर पैना करना होगा कि वह पल भर में न्याय का झंडा गाड़ दे। आज हाल यह है कि पीड़ित की पुकार अदालतों के गलियारों में सालों भटकती रहती है, और यह देरी अपराधियों के सीने में हिम्मत की हवा भर देती है। लिहाजा, न्याय का पहिया ऐसा चले कि वह तेज, पारदर्शी और अडिग हो। दुष्कर्मियों के लिए सजा ऐसी हो जो हड्डियाँ तक चटकाए, मगर उससे भी जरूरी है कि वह सजा फौरन अमल में आए–न कि कागजों में दफन हो जाए। जब समाज देखेगा कि अपराध की कीमत तुरंत और करारी चुकानी पड़ती है, तो यह हर सिर पर एक सबक लिख देगा। साथ ही, पुलिस और प्रशासन को संवेदना का कवच पहनाना होगा, ताकि पीड़ित की आवाज शिकायत के दहले पर काँपे नहीं, शर्माए नहीं।

संस्कृति का परिवर्तन- नैतिकता का नया आलोक

हमारी संस्कृति की गहरी परतों में कभी-कभी पुरुषवादी सोच और लैंगिक भेद की कड़वी जड़ें यौन हिंसा को चुपके से हवा देती रही हैं। इस कालिख को मिटाने के लिए हमें घर की चौखट से लेकर समाज के चौपाल तक नैतिकता का एक नया सूरज उगाना होगा। पुरुषों के मन में यह बात गूँजनी चाहिए कि असली मर्दानगी ताकत के जोर में नहीं, बल्कि दूसरों की हिफाजत और इज्जत में छिपी है। महिलाओं को महज एक वस्तु की नजर से नहीं, बल्कि बराबरी का हक रखने वाली हमसफर के रूप में देखने का नजरिया रचाना होगा। यह बदलाव कोई फूलों की सेज नहीं–यहाँ पीढ़ियों से जमी मान्यताओं के पत्थर तोड़ने पड़ेंगे, सोच के जंगल उजाड़ने होंगे। मगर अगर हम नन्हे कंधों पर यह संस्कार लाद दें कि हर आत्मा और देह एक अनमोल मंदिर है, तो यह बीज धीरे-धीरे समाज की नसों में रच-बस जाएगा।

तकनीक- क्रांति का नया मंच

आज का दौर डिजिटल क्रांति का सुनहरा काल है–एक ऐसा समय जहाँ सोशल मीडिया और इंटरनेट हमारे हाथों में ताकत का वह जादुई डंडा थमा रहे हैं, जो समाज को नींद से झकझोर सकता है। इन डिजिटल मंचों पर यौन हिंसा के खिलाफ आवाजें बुलंद हों–प्रेरणा की बयार बहें, जागरूकता की लहरें उठें और सकारात्मक किस्सों की गूँज हर कोने को छू ले। कल्पना करें–ऐसी ऐप्स जो खतरे के पल में महिलाओं की पुकार को तुरंत मदद तक पहुँचाएँ; डेटा की गहराई और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चपलता से उन काले कोनों को उजागर करें जहाँ खतरा मँडराता है, और वहाँ सुरक्षा का पहरा बिठाएँ। ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर हिंसा की साँसें थामने के लिए नीतियाँ लोहे की तरह सख्त हों।

पुरुषों की भूमिका- ढाल से दीपक तक

यौन हिंसा के खिलाफ जंग में पुरुष सिर्फ कवच नहीं, बल्कि बदलाव की मशाल बनें–यह उनकी असली पुकार है। उन्हें न केवल सहयोद्धा की तरह कदम बढ़ाना होगा, बल्कि परिवर्तन का वह प्रखर संवाहक बनना होगा जो समाज के हर कोने को रोशन कर दे। पुरुषों के कंधों पर यह जिम्मा है कि वे हर गली, हर चौपाल तक यह पैगाम पहुँचाएँ–हिंसा मन की कायरता है, सम्मान ही असली शौर्य का प्रतीक।

एकता और संकल्प- अभिशाप को चूर करने की आग

यौन हिंसा का खात्मा किसी एक कंधे या एक झंडे के दम पर नहीं हो सकता–यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें पूरे समाज को एक अटूट फौज बनकर उतरना होगा। सरकार की नीतियाँ, नागरिकों की हुंकार, शिक्षकों की सीख, कलाकारों की रचनाएँ, तकनीक के जादूगर–सबको कंधे से कंधा मिलाकर इस काले अभिशाप को रौंदने की कसम खानी होगी।

आज की हुंकार, कल का सुनहरा सवेरा

यौन हिंसा को रोकना एक लंबा सफर है, मगर यह कोई दूर का ख्वाब नहीं। शिक्षा की रोशनी, कानून की तलवार, संस्कृति का आलम, तकनीक की ताकत और एकता का जोश–ये पाँच पहाड़ हैं जो इस परिवर्तन की चट्टान खड़ी करेंगे। हर कदम हमें उस सुनहरे कल की दहलीज तक ले जाएगा, जहाँ डर की परछाइयाँ गायब होंगी और शोषण का नामोनिशान मिट जाएगा। यह कोई हवाई सपना नहीं, बल्कि एक ऐसा मंजिल है जिसे हम सबके हाथों की लकीरें मिलकर लिख सकती हैं।

प्रो. आरके जैन

जिनकी मिट्टी से आज भी वतन की खुशबू आती है

23 मार्च 1931, शाम सात बजकर तैंतीस मिनट। लाहौर की सेंट्रल जेल के आसमान में "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे गूंज रहे थे। वह एक ऐसा क्षण था जब भारत माता की धरती अपने सबसे लाडले सबसे प्यारे सपूतों की अंतिम पुकार सुन रही थी। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु–तीन नौजवान, जिनकी उम्र महज 23 साल के आसपास थी, उस दिन फांसी के फंदे पर झूल गए। यह फांसी 24 मार्च को होनी तय थी, लेकिन अंग्रेजों के मन में यह डर घर कर गया था कि कहीं आंदोलित भीड़ जेल पर हमला न कर दे। इस भय ने उन्हें सभी नियमों और आचार संहिताओं को ताक पर रखने के लिए मजबूर कर दिया। शाम के उस असामान्य समय में, जब सूरज ढल चुका था और अंधेरा धीरे-धीरे धरती को अपनी आगोश में ले रहा था, तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी गई। यह विश्व इतिहास में एक अनोखा और शायद अब तक का अंतिम उदाहरण है, जब किसी को शाम के वक्त फांसी के फंदे पर लटकाया गया हो।

लगभग एक घंटे तक उनके शरीर फंदे पर झूलते रहे। उस ठंडी हवा में, जो उनकी अंतिम सांसों को अपने साथ बहा ले गई थी, अंग्रेज अफसरों ने एक और क्रूर कदम उठाया। रात के अंधेरे में उनके शरीरों को टुकड़े-टुकड़े कर बोरियों में भरा गया। फिर रावी नदी के किनारे ले जाकर घासलेट डालकर जला दिया गया। उनकी राख को भी नदी के तेज बहाव में बहा दिया गया, ताकि कोई निशान न रहे, कोई सबूत न बचे। लेकिन क्या सचमुच अंग्रेज उनकी याद को मिटा सके? नहीं, वह राख भले ही नदी में बह गई, पर उनकी आत्मा उस मिट्टी में बस गई, जिसके लिए उन्होंने अपनी जान दी थी। समय की रेत पर उनके पांवों के निशान तब तक रहेंगे, जब तक यह देश रहेगा।

उस दिन भगत सिंह की लोकप्रियता ने महात्मा गांधी की प्रसिद्धि को भी पीछे छोड़ दिया था। लोग सड़कों पर थे–आक्रोशित, उद्वेलित, और दुखी। यह वह दौर था जब आजादी की लड़ाई अपने चरम पर थी, और इन तीनों नौजवानों ने अपने खून से इस आंदोलन को एक नई ताकत दी थी। 23 साल की उम्र–वह उम्र जब आज का युवा अपने भविष्य की राह तलाश रहा होता है, अपने सपनों को आकार देने की कोशिश कर रहा होता है। लेकिन इन तीनों ने उस उम्र में अपने जीवन का उद्देश्य न केवल तय कर लिया था, बल्कि उसे पूरा भी कर दिखाया था। क्या आज का युवा उस जज्बे की कल्पना भी कर सकता है?

यदि यह संसार एक रंगमंच है, जैसा कि शेक्सपियर ने कहा था, और हम सभी यहाँ अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभाने आए हैं, तो भगत सिंह ने इस मंच पर जो किरदार निभाया, वह आज तक बेजोड़ है। सिनेमा में अभिनेता वेश बदलकर किरदार निभाते हैं, और गलती होने पर रीटेक का मौका मिल जाता है। लेकिन वास्तविक जीवन में, जहाँ हर कदम अंतिम होता है, वहाँ भगत सिंह ने जोखिम भरे हालातों में भी अपनी भूमिका को इतनी कुशलता से निभाया कि अंग्रेजों को भनक तक न लगी। एक ऐसी घटना जो आज भी सुनने वालों के रोंगटे खड़े कर देती है–जब भगत सिंह को पुलिस हर जगह ढूंढ रही थी, तब वे एक अंग्रेज साहब के वेश में, राजगुरु उनके नौकर के रूप में, और दुर्गा भाभी उनकी पत्नी के रूप में, अंग्रेज अधिकारियों के सामने से गुजर गए। कलकत्ता की ट्रेन में सवार होकर वे निकल गए, और अंग्रेज बस देखते रह गए। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, बल्कि हकीकत थी–एक ऐसी हकीकत जिसमें न कोई स्क्रिप्ट थी, न रिहर्सल, और न ही दूसरा मौका। इस घटना से पहले की एक और कहानी भगत सिंह के जज्बे को दर्शाती है। अंग्रेज के वेश में आने के लिए उन्हें अपनी दाढ़ी और केश कटवाने थे–एक सिख के लिए यह सबसे बड़ा त्याग था। वे एक नाई के घर छिपते हुए गए और अपने केश काटने को कहा। नाई ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, कहा कि वह एक सिख के केश नहीं काट सकता। तब भगत सिंह ने जो जवाब दिया, वह उनके व्यक्तित्व की गहराई को उजागर करता है–"तुम केश की बात कर रहे हो, मैं देश के लिए अपनी गर्दन कटवाने को तैयार बैठा हूँ।" यह सुनकर नाई का हृदय पिघल गया, और उसने उनके केश काट दिए। यह छोटी-सी घटना बताती है कि भगत सिंह के लिए देश की आजादी हर व्यक्तिगत बंधन से ऊपर थी। भगत सिंह केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे, वे एक विचारक भी थे। उनकी सोच उनकी उम्र से कहीं आगे थी। जेल में लिखे गए उनके लेख, उनके पत्र, और उनकी डायरी आज भी हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या हम वाकई आजादी के मायने समझते हैं। वे समाजवाद में विश्वास रखते थे और मानते थे कि आजादी का मतलब सिर्फ अंग्रेजों का जाना नहीं, बल्कि हर तरह के शोषण से मुक्ति है। उन्होंने लिखा था, "मेरा कोई व्यक्तिगत लक्ष्य नहीं है। मैं चाहता हूँ कि मेरे देश के लोग सुखी हों, स्वतंत्र हों, और अपने भाग्य के मालिक हों।" यह विचारधारा ही थी जिसने उन्हें फांसी के फंदे तक पहुँचाया, और यह विचारधारा ही थी जिसने उन्हें अमर बना दिया।23 मार्च 1931 को जब वे फांसी पर चढ़े, तो उनके चेहरे पर कोई डर नहीं था। वे फांसी के तख्त तक मेरा रंग दे बसंती चोला गाते हुए आए और कहा जाता है कि उन्होंने हंसते हुए फंदे को चूमा और पूरे जोश से नारा लगाया, "इंकलाब जिंदाबाद"। उनकी शहादत ने न केवल अंग्रेजों को हिलाकर रख दिया, बल्कि देश के हर कोने में आजादी की चिंगारी को और भड़का दिया। आज जब हम भगत सिंह को याद करते हैं, तो यह सवाल उठता है कि क्या हम उनकी कुर्बानी का मोल समझते हैं? आज का युवा सोशल मीडिया पर क्रांति की बातें करता है, लेकिन क्या वह उस जज्बे को जी सकता है जो भगत सिंह में था? उनकी शहादत हमें यह सिखाती है कि आजादी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यह जिम्मेदारी है अपने देश के लिए कुछ करने की, अपने समाज को बेहतर बनाने की। भगत सिंह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सोच, उनका साहस, और उनका बलिदान आज भी हमें प्रेरित करता है। वह एक व्यक्ति नहीं, एक विचार थे–एक ऐसा विचार जो कभी मर नहीं सकता। जब तक यह देश रहेगा, जब तक इंसाफ और आजादी की बात होगी, भगत सिंह का नाम गूंजता रहेगा। उनकी शहादत हमें याद दिलाती है कि जीवन का असली मोल तब है, जब हम इसे किसी बड़े उद्देश्य के लिए समर्पित कर दें। 23 मार्च 1931 की वह शाम केवल एक तारीख नहीं थी, बल्कि एक इतिहास था–एक ऐसा इतिहास जो हमें हर बार यह सिखाता है कि स्वतंत्रता की कीमत क्या होती है। भगत सिंह, सुखदेव, और राजगुरु ने अपने खून से उस कीमत को चुकाया, और हमें एक ऐसा देश दिया जिसमें हम आज साँस ले रहे हैं। उनकी कहानी आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। ठीक ही कहा था भगत सिंह जी ने "दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आयेगी।"

बलदेव राज भारतीय

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

विद्यालय में शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन।

शासन के निर्देश के क्रम में प्राथमिक विद्यालय मुरली में शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बड़े ही उत्साह से प्रतिभाग किया इस अवसर पर बच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम

प्रस्तुत किए गए। शारदा संगोष्ठी में ड्रॉप आउट बच्चे तथा आउट ऑफ स्कूल बच्चों के अभिभावकों को बुलाया गया तथा उनकी उपस्थिति में ड्रॉप आउट से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा पर चर्चा की गई शारदा संगोष्ठी के अंतर्गत ऐसे बच्चे जो जिनकी उपस्थिति सर्वाधिक थी उनको सम्मानित करते हुए उन्हें विभिन्न पुरस्कार दिया गया तथा शेष बच्चों को नए सत्र में उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वार्षिकोत्सव संबंधी कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के खेलों सांस्कृतिक कार्यक्रमों रंगोली प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम में शिक्षकों तथा अभिभावकों के मध्य शैक्षिक उन्नयन पर चर्चा भी की गई। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती रोशनी देवी प्रधानाध्यापक रणवीर सिंह सहायक अध्यापिका प्रीति सिंह सुजीत पांडे संजू देवी संगीता माधुरी मिश्रा मंगरु आरती देवी रिंपा सोनम आदि उपस्थित रहे

वीरेंद्र प्रताप सिंह चुने गए पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन ने लखनऊ के डीलरों ने अपने नए अध्यक्ष का चुनाव किया। बैठक में पेट्रोल

पम्प डीलरों ने सर्वसम्मति से गोपरामऊ स्थित फीलिंग स्टेशन के वीरेंद्र प्रताप सिंह को एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना। अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध रूप से हुआ। नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने अपना पदभार संभाल लिया है। अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने डीलर और एसोसिएशन के हित में कार्य करने का भरोसा जताया।

थाना समाधान दिवस पर सुनी गई फरियादियों की फरियाद।

पिहानी (हरदोई)। थाने पर समाधान दिवस का आयोजन हुआ। राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फरियादियों की शिकायतों को सुन रहे है। कुछ मामले तो मौके पर निस्तारित किए गए जा रहे हैं,तो शेष मौके पर जांच करने के लिए संयुक्त टीम भेजी गई है। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की शिकायतें सुन रहे कस्बा इंचार्ज अनेक पाल सिंह ने बताया कि जो भी शिकायतें आयी

है। उसको गंभीरता से सुना गया है । तुरंत उसके निस्तारण की व्यवस्था की गयी है, जिससे फरियादियों को बार-बार दौड़ना न पड़े। शासन की त्वरित न्याय की जो मंशा है, उसको पूरा होना चाहिए। इस मौके पर हल्का नंबर 4 के उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह मौजूद है। राजस्व टीम के कानूनगो संजय मिश्रा, सदर लेखपाल आशीष बाजपेई, पंकज पाल समेत कई लेखपाल मौजूद हैं।पिहानी थाना समाधान दिवस में अहेमी के गाजीपुर के सुभाष पाल के जमीनी मामले की शिकायत सुनते कस्बा इंचार्ज अनेक पाल सिंह व उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह

महिला ने लिखाई पुत्री के ससुराल वालों दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

हरदोई। शाहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला अल्लाहपुर निवासी महिला ने पाली थाना क्षेत्र निवासी पुत्री की ससुराल वालों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न को रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने जांच शुरू की है।पीड़िता कमलेश पत्नी राजाराम के अनुसार उसने अपनी पुत्री अरुणा का विवाह पाली थानाक्षेत्र के ग्राम गुटकामऊ निवासी जयपाल के पुत्र सुरजीत के साथ किया था।उसने हैसियत मुताबिक दान दहेज भी दिया था।लेकिन पुत्री का पति,ससुर,देवर दीपक ननद उपासना व उजाला और सास जयदेवी अतिरिक्त दहेज में एक लाख की नगदी,बाइक और सोने की चेन की मांग को लेकर उसकी पुत्री को आयदिन प्रताड़ित करते हैं।उसने कई बार अपनी आर्थिक स्थिति की मजबूरी भी बताई लेकिन करीब पंद्रह दिन पूर्व विपक्षियों ने उसकी पुत्री के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया।उसकी पुत्री के बहुत कहने पर उसका ससुर उसे शाहाबाद अल्लाहपुर चौराहे पर छोड़कर चला गया।कोतवाली पुलिस ने विवाहिता की मां की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शीतला अष्टमी पर भुइया देवी मंदिर में ग्रामीणों ने की स्वस्थ्य रखने की कामना

..... मोहनलालगंज क्षेत्र मे सिसेंडी के गांव इमलिया खेड़ा में स्थित प्राचीन मंदिर भुइयां देवी में हुई विधि विधान से पूजा ,लगाया गया मेला

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के सिसेंडी गांव के मजरा इमलिया खेड़ा में स्थित शीतला अष्टमी के अवसर पर सैकड़ो वर्ष पुराने भुइयादेवी मंदिर पर पूजा अर्चना ग्रामीणों द्वारा की गई । शीतला अष्टमी के दिन धर्म ग्रंथों के अनुसार चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन माता शीतला की पूजा करने का विधान है। इस व्रत में एक दिन पूर्व बनाया हुआ भोजन ग्रहण किया जाता है प्रचलित मान्यताओं के अनुसार शीतला अष्टमी का यह व्रत करने से शीतला माता प्रसन्न होती हैं तथा जो यह व्रत करता है उसके परिवार में दाहज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े, नेत्र के समस्त रोग तथा ठंड के कारण होने वाले रोग नहीं होते। शीतला देवी के स्वरूप का शीतला स्तोत्र में वर्णन किया गया है । सिसेंडी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने बताया कि क्षेत्र की माताएं और बहनें शीतला अष्टमी के दिन विधि विधान से भुइयां देवी माता मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना करती हैं, इस अवसर पर गांव में मेला लगता है और सभी ग्रामीण आपस में मिलकर फाग का आयोजन करते हैं इसमें ग्राम वासियों में आपसी भाई चारे का संदेश जाता है । इस अवसर पर समाजसेवी राजेश जायसवाल (राजू), बहादुर सिंह दिलीप मिश्रा , अमित दीक्षित ,राजेश लोधी , सुंदर लोधी , किशन, छोटन मिश्रा ,रामेश्वर , गणेश बाथम, सहित सैकड़ो ग्रामीणों ने फाग का आनंद लिया और साथ ही भुइयादेवी माता रानी से गांव को स्वस्थ्य ,निरोग रखने की समस्त ग्राम वासियो ने कामना की है ।

जिला संगठन द्वारा शिक्षक शिक्षिकाओं का बकाया अवशेष भुगतान की गई मांग

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 22 मार्च, 2025 माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्राप्त लाखों रूपये के शिक्षकों के बकाया अवषेष की ग्रान्ट को यदि 25 मार्च, 2025 तक कार्यावाही करते हुए वित्तीय वर्ष के अन्त तक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के खातों मे अन्तरित नही किया गया तो जिला संगठन आन्दोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिला संगठन के इस निर्णय की सूचना जिला विद्यालय निरीक्षक एवं अन्य उच्चाधिकारियों को दिनांक 21 मार्च, 2025 को प्रेषित की जा चुकी है।संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक, लखनऊ डा0 आर0पी0 मिश्र, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा एवं जिला मंत्री महेश चन्द्र ने बताया कि जिला संगठन द्वारा गत दो वर्षों से शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के करोड़ों रूपये के अवशेषों का भुगतान कराये जाने के लिए विषेष अभियान चला जा रहा है। जिला संगठन के अनुरोध पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के अवशेष बिलों की चेकिंग के लिए विद्यालयवार तिथियॉ निर्धारित करते हुए विशेष कैम्प लगाए गए थे। परीक्षण के पश्चात अवशेषों की अनुमन्यता करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवशेषों के भुगतान हेतु धनाबंटन के लिए प्रकरण माध्यमिक शिक्षा निदेषालय भेजे गए। निदेषालय द्वारा अवशेषों के भुगतान के लिए धनाबंटन कर दिया गया किन्तु भुगतान में घूसखोरी के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा धनाबंटन को सार्वजनिक न करते हुए गुपचुप तरीके से अवशेषों के भुगतान के लिए कुछ दलालों के माध्यम से उगाही शुरू की गई है। शिक्षक नेताओं ने बताया कि गत वर्ष उत्कोच की प्रत्याशा में ग्रान्ट प्राप्त होने के पश्चात भी 53 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के अवषेषों का भुगतान नही किया गया और 31 मार्च, 2024 को ग्रान्ट निदेशालय को वापस की दी गई जिसे जिला संगठन ने प्रयास कर इस वित्तीय वर्ष में भुगतान कराया। शिक्षक नेताओं ने बताया कि इसी लिए इस वर्ष जिला विद्यालय निरीक्षक एवं अन्य उच्चाधिकारियों को वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्राप्त धनाबंटन को सार्वजनिक करते हुए सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को इसी वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक अभियान चलाकर अवशेषों के भुगतान किए जाने की मांग की है और भुगतान न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी है।

सुरक्षित सफर अभियान का मकसद यात्रियों की सुगम यात्रा : रजनीश वर्मा

.....मोहनलालगंज क्षेत्र में एसीपी ने चलाया सुरक्षित सफर अभियान
..... सुरक्षित सफर अभियान में एसीपी रजनीश वर्मा की अगुवाई में आटो , ई - रिक्शा चालकों की गाड़ियों की हुई नम्बरिंग ।
.....आटो ई रिक्शा चालकों को अब आटो पर दर्ज कराना होगा पंजीकरण नंबर ।
..... सुरक्षित सफर अभियान में बनाए गए रजिस्टर में दर्ज होगा आटो ई रिक्शा चालकों के विवरण का ब्यौरा ।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को ऑटो व ई रिक्शा के सम्बन्ध में सुरक्षित सफर अभियान चलाया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के निर्देश में, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमावत के पर्यवेक्षण में एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज अमर सिंह ने इस अभियान के तहत मोहनलालगंज पुलिस टीम के साथ मोहनालालगंज क्षेत्र के ऑटो व ई रिक्शा के ऊपर बड़े आकार में नम्बरिंग दर्ज कराई । नम्बरिंग के दौरान एक रजिस्टर बनाया गया जिसमें नम्बर के हिसाब से ऑटो ई रिक्शा व चालक का सम्पूर्ण विवरण मय फोटो सहित वाहन क्रमांक, रजिस्ट्रेशन नम्बर, डीएल नम्बर, चालक की फोटो, आधार कार्ड दर्ज किया जायेगा। आटो पर नम्बरिंग से किसी भी आटो पर लिखे गये नम्बर को आसानी से देखा जा सकता है जिससे किसी भी समय घटना होने पर सम्बन्धित आटो को ट्रैस करना आसान होगा एवं गैर जनपद के आटो टैम्पो व ई रिक्शा को पूर्णतया प्रतिबन्धित करने हेतु अभियान में बताया गया तथा बिना नम्बर प्लेट के वाहन चलाने वालो के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए गए । सभी ऑटो टैम्पो चालक के पास वैध लाइसेंस और वाहन का पंजीकरण होना अनिवार्य बताया गया । अवैध रूप से टैम्पो खड़ा करने, ट्रैफिक जाम पैदा करने, और गलत दिशा में गाड़ी चलाने के खिलाफ कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी । एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि सुरक्षित सफर अभियान के दौरान अवैध रूप से चलाए जा रहे ऑटो टैम्पो और ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कदम उठाये जाने के निर्देश जारी किए गए हैं । ओवरलोडिंग के कारण सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है, और यह सड़क सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकता है। सभी टैम्पो आटो चालकों का पुलिस वेरीफिकेशन कराया जा रहा है।अभियान का मुख्य उद्देश्य ऑटो टैम्पो के माध्यम से होने वाले अपराधों को कम करना और यात्रियों को सुगम यात्रा प्रदान करना है।

राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय बिशनपुर विश्राम में बड़ा घोटाला : सूत्र

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय बिशनपुर विश्राम से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। विद्यालय में हुई चोरी और सामान के गायब होने की घटनाओं ने स्थानीय प्रशासन को हैरान कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यहां एक दर्जन से अधिक पुरानी बैटरियां गायब हो चुकी हैं। इसके अलावा, विद्यालय के परिसर में रखी गई कई टन वजनी पानी की टंकी और टावर के अवशेष भी चोरी हो गए।इन घटनाओं ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, और चोरी के पीछे बड़े घोटाले की आशंका जताई जा रही है।

2019 में निर्माणाधीन दरवाजे और खिड़कियां भी गायब

सूत्रों के मुताबिक, यह चोरी केवल बैटरियों और पानी की टंकी तक ही सीमित नहीं है। विद्यालय में 2019 में निर्माणाधीन दरवाजे और खिड़कियां भी गायब हो चुकी हैं। यह घटनाएं अब गंभीर सवाल खड़ा करती हैं कि क्या निर्माण कार्य में गड़बड़ी और अनियमिताएं रही हैं। अधिकारियों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही की वजह से यह सामान चोरी हो रहा है।

स्थानीय जिम्मेदारों की मिलीभगत से घोटाले की आशंका

गायब हुए सामान और निर्माण कार्य में लापरवाही से यह मामला अधिक गंभीर हो गया है। स्थानीय जिम्मेदारों पर मिलीभगत का आरोप है, जिससे इस चोरी और गड़बड़ी के पीछे बड़ा घोटाला होने की आशंका जताई जा रही है। आरोपियों की पहचान कर इस मामले की जांच शुरू करने की मांग तेज हो गई है। स्कूल की संपत्ति के इस तरह के नुकसान से न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि बच्चों के शिक्षा का माहौल भी प्रभावित हो रहा है। प्रशासन को इस मामले में कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है। इस मामले में समाज कल्याण अधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया है कि टीम गठित कर जांच करवाई जा रही है दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बैंक में केवाईसी कराने खाता धारकों को नहीं उठानी होगी परेशानी

.....शाखा प्रबंधक अमित कुमार की पहल.....शनिवार -रविवार केवाईसी व एटीएम संबंधित निपटाए जायेंगे कार्य
.....आज भी होगी केवाईसी...
शाखा प्रबंधक अमित कुमार बोले...हमारा प्रयास कोई मायूस होकर न लौटे खाताधारक

स्वतंत्र प्रभात

माल, लखनऊ। मवई में स्थित इंडियन बैंक शाखा प्रबंधक अमित कुमार ने सराहनीय पहल करते हुए शनिवार व रविवार को शाखा में केवाईसी व एटीएम से संबंधित समस्याओं का करेंगे समाधान। आपको बता दें कि माल ब्लॉक के अंतर्गत मवई में स्थित इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक अमित कुमार ने जनता की समस्याओं को देखते हुए शनिवार को अपने स्टाफ के साथ केवाईसी व एटीएम से संबंधित कार्यों को निपटाया।आज अर्थात रविवार को भी शाखा प्रबंधक अमित कुमार के द्वारा केवाईसी व एटीएम से संबंधित कार्य किए जाएंगे।जिससे खाता धारकों को परेशानी का सामना न करना पड़े व न ही भटकना पड़े।

छुट्टी के दिन भी केवाईसी

केवाईसी न होने के कारण लोगों खातों पर होल्ड लगा दिया गया था। जिससे बैंक परिसर में केवाईसी कराने के लिए लंबी-लंबी लाइनें लग रही थी।जिसको मद्देनजर रखते हुए शाखा प्रबंधक अमित कुमार ने केवाईसी व एटीएम से संबंधित समस्याओं के समाधान को लेकर छुट्टी के दिन शनिवार व रविवार को स्टाफ के साथ शाखा में मौजूद रहेंगे।

जानें, क्या होती है केवाईसी

केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके माध्यम से एक व्यवसाय अपने ग्राहकों की पहचान की पुष्टि करता है और व्यावसायिक संबंधों के लिए अवैध इरादों के संभावित जोखिमों का आंकलन करता है। खाता धारक की पूरी जानकारी के लिए केवाईसी अपग्रेट किया जा रहा है। इसके लिए सभी खातों की केवाईसी की जा रही है। जिससे खाता धारक की स्पष्ट जानकारी बैंक में दर्ज हो सके।

विहिप, बजरंग दल व श्री ठाकुर जी महाराज रामजानकी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट ने किया होली मिलन समारोह

.....कार्यकर्ताओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर दिया सामाजिक एकता का संदेश

स्वतंत्र प्रभात

रहीमाबाद, लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व श्री ठाकुर जी महाराज रामजानकी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के द्वारा होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। आपको बता दें कि रहीमाबाद - गहदो मार्ग पर फतेहपुर बलदेव खेड़ा में स्थित मंदिर प्रांगड़ में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल व श्री ठाकुर जी महाराज रामजानकी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट होली मिलन समारोह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में संगठनों के कार्यकर्ता, अधिकारी और क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। विहिप के कार्याजिलाध्यक्ष भूपेंद्र ने होली के पारंपरिक स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होली के वास्तविक रंग टेसू और अन्य प्राकृतिक साधनों से ही बनाए जाते रहे हैं। इस मौके पर श्री ठाकुर जी महाराज रामजानकी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अक्षत तिवारी ने कहा कि होली में जातिगत भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कुंभ का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां 60-65 करोड़ हिंदू एकत्रित हुए। सभी ने साथ में स्नान किया और भोजन किया। सभासद रवि राजपूत ने सामाजिक एकता पर बल दिया।यह भी कहा कि होली संदेश देता है कि हमारी जिंदगी में हर रंग शामिल हो । वहीं सूरज सिंह ने अपने अपने संबोधन में सामाजिक एकता और समरसता पर विशेष जोर दिया।साथ ही लोगों से अपील की कि होली रंगों का त्योहार है, इसे लोग आपस में मिलजुल कर और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। सौरभ रंगीला ने अपने संबोधन में कहा कि भावी पीढ़ी को अपने त्योहार और संस्कृति से जोड़ने का होली मिलन समारोह एक माध्यम है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल- सनातन संस्कृति को मजबूत करते हुए लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न पदाधिकारियों ने हिंदू समाज की सुरक्षा और एकता के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू समाज के भीतर एकजुटता और सुरक्षा को बढ़ावा देना था। इस मौके पर सुनील सिंह,हरिशंकर शुक्ला,धीरेन्द्र तिवारी,सुशील यादव,अवधेश कुमार, रामेश्वर, महेश, प्रकाश,राजिंदर,हरिराम,नेत्रपाल,श्यामलाल,संजीत,रंजीत,विशुन कृष्णा तिवारी,सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।।

किसान के खेत में मिला युवक शव, पुलिस फॉरेंसिक टीम पहुंची घटनास्थल पर

स्वतंत्र प्रभात

कोथावां/हरदोई। बेनीगंज कोतवाली पुलिस चौकी कोथावां क्षेत्र के मदनापुर गांव के एक किसान के गेहूं के खेत में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। दुखद खबर की भनक लगते ही आसपास गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी विजय कुमार ने घटना की सूचना कोतवाली बेनीगंज को व फोरनेसिक टीम को दी। फॉरेनसिक टीम ने बारिकी से जांच कर घटनास्थल पर नमूने कलेक्ट किए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिले पर भेज दिया। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के रामगढ़ निवासी शकील पुत्र हबीब उम्र करीब 32 वर्ष जो दिल्ली मे सिलाई का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। 12 मार्च को दिल्ली से यह अपने घर आया हुआ था।मृतक की पत्नी तरन्नुम बानो के अनुसार शुक्रवार सुबह 10 बजे घर से बिना बता के निकल गया था। देर शाम यह जब शकील घर नहीं पंहुचा। तो परिजनों ने तलाश शुरू कर दी थी।शनिवार सुबह शकील का शव शारदा नहर शाखा संडीला पर बेनगंज कोतवाली क्षेत्र के मदनापुर गांव समीप किसान के गेहूं के खेत मे पड़ा हुआ लोगो ने देखा।शव पड़े होने की सूचना पर क्षेत्र मे हड़कंप मच गया।गेहूं के खेत में युवक के पड़े होने की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी विजय कुमार ने घटना की सूचना कोतवाली बेनीगंज को व फोरनेसिक टीम को दी। फॉरेनसिक टीम ने बारिकी से जांच कर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक अपने पीछे अपनी माँ नन्हकी पत्नी तरन्नुम बानो व फलक (12), कैनात (10)साद (5),अलीजा(3),अहान(2) को छोड़ गए है। क्राइम इंस्पेक्टर ध्रुव कुमार सिंह ने ने बताया कि मदनापुर गाव के पास गेहूं के खेत में एक युवक का शव मिला है। पहचान हो गई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

प्रधान मंत्री आवास योजना का समयानुसार कराए सर्वे

स्वतंत्र प्रभात

मनकापुर गोण्डा । शासन एवं प्रशासन द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना अंतर्गत सभी ग्राम पचायतो मे गरीब पात्र व्यक्तियों को आवास दिलाने हेतु विगत जनवरी माह से पात्र व्यक्तियों के सर्वे का काम निर्धारित सर्वेयर टीम द्वारा चल रहा हैं ताकि जो भी झुग्गी झोपडी या पल्ली लगाकर परिवार के साथ निवास कर रहे पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ मिल सके इसके लिए शासन प्रसासन द्वारा प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी एवं उनके कर्मचारियों द्वारा प्रति मंगलवार को ग्राम पंचायत स्तर पर ब्लॉक आपके द्वार कार्यक्रम चलाकर जनता को आवास सर्वे के लिए जागरूक किया जारहा हैं इसी क्रम मे खण्ड विकास अधिकारी ब भनजोत ओ पी सिंह यादव ने जानकारी देते हुए कहा सभी ग्राम पंचायत के गरीब पात्र व्यक्तियों से अपील किया जा रहा हैं कि 31 मार्च तक आवास का सर्वे का कार्य सर्वेयर टीम द्वारा जारी हैं जो गरीब पात्र व्यक्तियो का आवास सर्वे नहीं हो पाया हैं तो खण्ड विकास अधिकारी द्वारा निर्धारित सर्वेयर टीम मे ग्राम प्रधान से लेकर पंचायत सचिव,रोजगार सेवक से 31 मार्च तक मिलकर सर्वे का कार्य पूरा कर ले क्योंकि 31 मार्च तक आवास सर्वे का कार्य बंद हो जाएगा। ततक्रम मे खण्ड विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड के समस्त ग्राम प्रधान गणो, समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य गणो एवं समस्त जिला पंचायत सदस्य गणो एवं ब्लॉक प्रमुख से विन्रम निवेदन हैं कि विकास खण्ड मे जितने भी आवास विहीन, कच्चे मकान मे रहने वाले, छप्परो मे रहने वाले पात्र व्यक्तियों का अभी तक आवास मे सर्वे नहीं हो पाया हैं उनका 31 मार्च तक सर्वे का कार्य पूरा कराने मे अपना अमूल्य योगदान दें ताकि इस योजना से कोई गरीब पात्र परिवार आवास से वँचित न रहा सके।

संक्षिप्त ख़बरें

समारोह में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में चयनित छात्र रोहित कुमार एवं रजनी भारती को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

पीलीभीत । खरोसा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान राजकुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया । शनिवार को आयोजित किए गए वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रमो के साथ मनमोहक प्रस्तुति दी । बच्चों की प्रतिभा को देखकर उनके अभिभावक भी आश्चर्य

छात्र रोहित कुमार एवं रजनी भारती को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्कूल के अन्य मेधावी छात्रों, शतप्रतिशत उपस्थिति एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक बच्चों और ईको क्लब में भाग लेने वाले बच्चों, मीना मंच की छात्राओं को भी विशेष रूप से प्रधानाध्यापिका अन्नपूर्णा विश्वकर्मा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधान अध्यापक अन्नपूर्णा विश्वकर्मा ने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए कहा इस तरह के कार्यक्रम जब आयोजित होते हैं तो स्कूली बच्चों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी सामने को देखने को मिलता है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष और सदस्य के अलावा सहायक अध्यापक निशात बानो, तेजवहादुर सिंह, अनुदेशक शाहबाज, शिल्पी सक्सेना, संध्या पाल तथा ग्रामीण उपस्थित रह छात्र रोहित कुमार एवं रजनी भारती को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्कूल के अन्य मेधावी छात्रों, शतप्रतिशत उपस्थिति एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक बच्चों और ईको क्लब में भाग लेने वाले बच्चों, मीना मंच की छात्राओं को भी विशेष रूप से प्रधानाध्यापिका अन्नपूर्णा विश्वकर्मा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधान अध्यापक अन्नपूर्णा विश्वकर्मा ने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए कहा इस तरह के कार्यक्रम जब आयोजित होते हैं तो स्कूली बच्चों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी सामने को देखने को मिलता है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष और सदस्य के अलावा सहायक अध्यापक निशात बानो, तेजवहादुर सिंह, अनुदेशक शाहबाज, शिल्पी सक्सेना, संध्या पाल तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर-पुरानी रंजिश के चलते रिश्तों का कत्ल,बड़े पापा को भतीजे ने उतारा मौत के घाट

सिद्धार्थनगर । त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के पड़िया गांव में पुरानी रंजिश का एक मामला सामने आया है जिसके चलते भतीजे ने अपने बड़े पापा की हत्या कर दी है। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना पर पहुंची त्रिलोकपुर पुलिस मौके पर जांच में जुटी हुई है। मृतक की पत्नी शांति देवी ने आरोप लगाया है कि मेरे पति जगराम उर्फ डेबई पुत्र सत्तन(60) शुक्रवार की रात खाना खा पीकर घर से कुछ दूरी पर सामने एक छोटा सा छप्पर का मकान है ,उसी में सोए थे। रात में लगभग 10 बजे अजय उर्फ अभिषेक पुत्र जवाहर आया और उनको मारते पीटते हुए धारदार हथियार से गले पर वार कर दिया,चीख पुकार सुनाई पड़ी तो लोग इकट्ठा हुए, तब तक अजय वहां से भाग गया था। मृतक के बेटे सुभाष ने एंबुलेंस बुलाया कुछ देर में एंबुलेंस आई और जगराम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया ले गए ।जहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। की जाएगी।

उधमियों ने जमकर खेली होली,भजनों व गीतों ने किया मंत्रमुग्ध

कानपुर। शहर में होली की धमक अभी तक है,जगह जगह होली के दिन से लगातार होली मिलन व मेले आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित होली मेले में उधमियों ने जमकर होली खेली।भजन संध्या मे भजन गायकों ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दे लोगों का मन मोह लिया। दादा नगर कोपोस्टेट मे आयोजित होली मेले में शहर के उधमियों के साथ साथ बडी संख्या में व्यवसायी व आम लोग भी पहुंचे।यंहा कोपोस्टेट स्टेट के चेयरमैन विजय कपूर व भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक अजय कपूर ने सभी आंगतुकों का चंदन का टीका लगाकर स्वागत किया। कोपोस्टेट चेयरमैन विजय कपूर व उधमियों व आम लोगों ने फूलों की होली खेलकर व हर्बल गुलाल लगा गले मिलकर होली की बधाई दी। गीत संगीत व भजन संध्या में गायकों ने एक से बढकर एक भजनों एवं गीतों की प्रस्तुति की तो लोगों उसी मे खो गए।शहर के प्रतिष्ठित बैण्ड द राक ने शानदार गीत-संगीत प्रस्तुत किए तो युवाओं के साथ साथ बुजुर्ग भी झूमने को मजबूर हो गए।मेले मे विभिन्न व्यंजनों के अलग अलग स्टाल लगे थे।जिसका लोगों ने खूब लुफ्त उठाया।इस अवसर पर चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि होली एक पवित्र त्यौहार है।होली हमे बुराइयों को त्यागकर अच्छाइयों को ग्रहण करने की प्रेरणा देता है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा पुल निर्माण के काम में केवल तारीख पर तारीख! दुर्घटना की आशंका से स्थानीय लोग परेशान

स्वतंत्र प्रभात

असम श्रीभूमि [करीमगंज]। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में गली-मोहल्लों में विकास कार्यों की बाढ़ आई है सबका साथ, सबका विकास के माध्यम से हर क्षेत्र में सुधार के लिए गाइडलाइन के अनुसार गुणवत्ता मान बनाए रखने के काम के जरिए उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें, पुल, एवं अन्य परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हैं। ताकि हर क्षेत्र में विकास हो। ताकि आम नागरिकों को यात्रा सहित अन्य समस्याओं का सामना न करना पड़े इस दृष्टिकोण से विभिन्न स्थानों पर काम किया जा रहा है। लेकिन असम श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा पुल की दयनीय स्थिति के कारण दुर्घटनाओं की संभावनाएं बढ़ गई हैं, अधिकारी ने सब कुछ जानने के बावजूद निर्माण का कार्य अभी भी नहीं हो रहा है। केवल आश्वासन और आश्वासन दिया जा रहा है, कुछ दिनों में होगा, लेकिन कई महीने बीत गए हैं, केवल तारीख और तारीखें। सुधार का कार्य कुछ भी नहीं हो रहा है। आम नागरिक समझ नहीं पा रहा है। रामकृष्णनगर विधानसभा के अंतर्गत दुल्लभछड़ा की सिंगला नदी का आरसीसी पुल कई महीनों से जर्जर की स्थिति में है। जिसके मरम्मत का आश्वासन पिछले साल 2024 में दिया गया था, लेकिन कई टालमटोल के बाद शारदीय पर्व के पहले, दुर्घटनाओं से बचने के लिए पुल पर लोहे के खंभों के बैरिकेड लगाकर संकीर्ण किया गया था, ताकि यात्री बसें और ट्रक न चल सकें। हालांकि अन्य छोटी गाड़ियों का चलन जारी था। उस समय यात्री बसें या ट्रक रामकृष्णनगर क्षेत्र के विद्यानगर के माध्यम से यात्रा करने लगी थीं। इससे यात्री भाड़ा बढ़ना स्वाभाविक था। व्यापारियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। लेकिन बंद पड़े पुल से कुछ दिनों बाद सभी प्रकार के वाहनों का चलन रहस्यमय तरीके से शुरू हो गया। इस बीच, इस वर्ष की 12 मार्च को दुल्लभछड़ा रामकृष्णनगर लोक निर्माण विभाग के टी आर सब डिविजन के सहायक कार्यकारी इंजीनियर सुभ्रत दास के बयान में बताया गया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आरसीसी पुल का निरीक्षण किया गया है और ढाई महीने के भीतर काम पूरा होगा और पुल का कार्य का सामान है इन दो-तीन दिनों में नवकरण का काम शुरू होगा। जिसके लिए जनता की आवाजाही की सुविधा के लिए सबवे का निर्माण किया गया है। इसलिए फिर से पुल पर लोहे की बैरिकेड लगाई गई है जिससे यात्री बसों और लोरियों को विद्यागनगर के रास्ते आवाजाही करनी पड़ रही है। साथ ही काम की प्रगति के लिए विभाग की ओर से जनता का सहयोग मांगा गया है। लेकिन आज तक पुल पर कुछ भी काम नहीं हुआ है। 12 मार्च को निरीक्षण के समय उनके साथ सहायक इंजीनियर अरुणोदय दास, पुल विशेषज्ञ अकबर खान और संबंधित ठेकेदार विनायक चक्रवर्ती सहित अन्य उपस्थित थे। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी इस समाचार के लिखने तक काम शुरू नहीं किया गया है। दूसरी ओर, बारिश के मौसम में सिंगला नदी के जल बहाव से सबवे के टूटने की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसके बाद क्षेत्र के लोग पुल के निर्माण कार्य न होने के कारण किसी भी घटना के होने की चिंता में हैं। ऐसी स्थिति में जनता को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसमें नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लंबे समय से लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और आवंटित ठेकेदार टालमटोल कर रहे हैं। इस मामले में प्रभावित लोग असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और रामकृष्णनगर विधायक विजय मालाकार का ध्यान आकर्षित करते हैं कि ताकि विभागीय अधिकारी जनकल्याण कार्य में देरी न करें और जल्द से जल्द दुल्लभछड़ा पुल के नवीनीकरण का कार्य शुरू किया जाए।

मथुरा के असली कारागार में श्रीकृष्ण की 'आर्टिफिशियल जेल'

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। कान्हा की नगरी के असली कारागार में भगवान श्रीकृष्ण की आर्टिफिशियल जेल बनाई गई है। 3डी पिक्चर लगाकर इसे और आकर्षक बनाया जा रहा है। यह प्रयास कैदियों को मानसिक मजबूती देने के साथ ही उनके अंधर आध्यात्मिक भाव जगाने के लिए किया गया है। मथुरा जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों को आपराधिक प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वह अपनी सजा काटने के बाद जेल से बाहर निकलकर मुख्यधारा से जुड़ कर एक बेहतर जीवन जी सकें और अपराध से दूर रहें। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने जिला कारागार का मासिक निरीक्षण किया, जिसमें दोनों उच्च अधिकारियों ने 'वन जेल वन प्रोडक्ट' के अंतर्गत संचालित पोशाक सिलाई केंद्र का जायजा लिया। केंद्र में कार्य कर रहे व्यक्तियों से जानकारी ली कि कौन से प्रोडक्ट बनाए जाते हैं, कार्य कर रहे व्यक्ति ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि भगवान जी की पोशाक, मुकुट, माला आदि का कार्य किया जाता है। उन्होंने एक विशेष जानकारी दी कि श्री कृष्ण जी की एक आर्टिफिशियल जेल बनाई गई है, जिसमें 3 डी पिक्चर लगाकर उसे आकर्षक बनाया जाएगा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि जेल के अंदर तैयार किये जा रहे प्रोडक्ट के लिए अच्छी व्यवस्था की जाए और उसे बेहतर साज सज्जा कर सुंदर बनाने पर जोर दिया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी और पुलिस उपमहानिरीक्षक ने चौधरी भरत सिंह स्वतंत्र संग्राम सेनानी कारागार चिकित्सालय में जाकर बंदी मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने पाकशाला में जाकर बंदियों के लिए बन रहे भोजन में दाल, रोटी, सब्जी आदि को देखा। उन्होंने कारागार चिकित्सालय का निरीक्षण किया, कारागार में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी और पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बंदियों से क्राइम और केस के बारे में जानकारी ली, जेल में सुविधा, असुविधा के बारे में पूछा, किस जिले से हैं आदि संबंधी पूछताछ की। जेल अधीक्षक से जानकारी ली कि कितने बंदी जेल में है, जिनमें महिला, पुरुष, बुजुर्ग, युवा और विदेशी बंदी कितने हैं।

भाजपा में कार्यकर्ताओं का हाई है जोश, पदाधिकारियों ने किया साष्टांग प्रणाम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। नए जिला और महानगर अध्यक्ष की घोषणा के बाद यह भाजपा का पहला कार्यक्रम था। कार्यक्रम में जहां जनपद में भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने एक मंच साझा कर एकजुटता का संदेश दिया वहीं कार्यकर्ताओं में जोश भरने का हर संभव प्रयास किया गया। गोवर्धन रोड स्थित खंडेलवाल सेवा सदन में भाजपा कार्यकर्ताओं का स्वागत सम्मान समारोह रखा गया था। पार्टी में कार्यकर्ताओं की अहमियत बताने के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को कार्यकर्ताओं का लेटकर साष्टांग प्रणाम किया तो हॉल तालियों से गूंज उठा और कार्यकर्ताओं का जोश हाई हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद हेमा मालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व मंत्री रविकान्त कांत गर्ग, महानगर अध्यक्ष राजू यादव, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करती सांसद हेमा मालिनी ने कहा कार्यकर्ता संगठन के रीढ़ होते हैं। इसलिए वे सदैव सम्मान के पात्र होते हैं। कार्यकर्ता जिन्होंने पार्टी को अपने परिश्रम के बल पर सींच कर इतना बड़ा रूप दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओ के परिश्रम का ही परिणाम है कि आज भाजपा का स्वरूप इतना बड़ा हुआ है। वही कैबिनेट मंत्री लक्ष्मण चौधरी ने कार्यकर्ताओं से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य पर पूरी निष्ठा के साथ सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं नवयुक्त महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने कहा मंच से मैं कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाता हूं कि 24 घंटे कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहूंगा। इस अवसर पर विधायक राजेश चौधरी, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, श्याम सिंह अहेरिया, बाल संरक्षक आयोग अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय ओबीसी आयोग सदस्य भुवन भूषण कमल, पूर्व महापौर मुकेश आर्यबंधु, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, घनश्याम लोधी, मंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र अग्रवाल, रविन्द्र पांडे, गंभीर सिंह गुर्जर, प्रमोद बंसल, महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा चौधरी, नीरू सक्सेना, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष यज्ञ दत्त कौशिक एवं नितिन कौशिक जितेंद्र वार्ष्णेय, सतेंद्र सिंह, आदि मौजूद थे

जिला पंचायत का 39. 84 करोड़ का बजट स्वीकृत

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जिला पंचायत के सभागार में शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें जिला पंचायत के सदस्यों ने बैठक में न आने वाले अधिकारियों के प्रति निंदा प्रस्ताव पारित किया। वहीं वर्ष 2025-26 के लिए 39 करोड 84 लाख 44 हजार 312 रुपये के बजट को सर्व सम्मिति से सदस्यों ने स्वीकृति दी। वहीं वर्ष 2024-25 के पुनरीक्षित बजट को भी अपनी मंजूरी दी गई। जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में जिला पंचायत सदस्यों द्वारा पूर्व बैठकों में उठाई गई जनहित की समस्याओं के समाधान नहीं होने पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में सदस्यों ने ड्रेन व माइनरों की सफाई, उचित नहीं होने का आरोप सिंचाई विभाग पर लगाया। साथ ही बुखरारी व शेरगढ नहरों को आदर्श सिंचाई योजना में शामिल करने की मांग रखी। वहीं प्रधानमंत्री सड़क योजना में आरईएस द्वारा कोसी शाहपुर सड़क के निर्माण का मुद्दा उठाया। बैठक में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के शमशान स्थल पर दो दो बैंच लगाने की मांग पंचायत सदस्यों ने की। बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत 3174474 लाख मानव दिवस के लिए 12539. 17 लाख रुपये का लेबर बजट भी स्वीकृत किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। तीन पंचायत सदस्यों के त्यागपत्र किए स्वीकृत ग्राम पंचायत तरौली सुमाली चौमुहां के वार्ड 11 के सदस्य चरन सिंह, ग्राम पंचायत सैनवा के वार्ड 11 के सदस्य तरुण कुमार, ग्राम पंचायत उंदी छाता के वार्ड 4 के सदस्य आदेश का स्वेच्छा से दिया त्यागपत्र जिला पंचायत अधिकारी के अनुमोदन के बाद जिला पंचायत की बैठक में सर्व सम्मिति से स्वीकृत किया गया।

वृंदावन में भारतीय, नेपाली साहित्यकारों का समागम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। नेपाल विश्वविद्यालय के कुलपति डा. घनश्याम न्यौपाने ने कहा कि नेपाल में हिन्दी बोली जाती है, वैसे ही भारत के लोग नेपाली भाषा सीखें। दोनों देशों के बीच साहित्य व संगीत का आदान प्रदान और बढ़ना चाहिए। नेपाल व भारत दोनों भाई हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत अमिट है। इसे मिटाया नहीं जा सकता। वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान व रासलीला अकादमी में आयोजित तीन दिवसीय भारत नेपाल साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव में डॉ. न्यौपाने संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की मजबूती के लिए इस तरह के आयोजनों की बेहद जरूरी हैं। आयोजक डॉ. विजय पंडित और डा. हर्ष शर्मा ने कहा कि भारत नेपाल साहित्य एवं सांस्कृतिक महोत्सव वसुद्धैव कुटुम्बकम की भावना के साथ दोनों देशों के मध्य ऐतिहासिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूती प्रदान करना है। विशिष्ट अतिथि नेपाल की लघुकथाकार श्रीमती ममता मृदुल रही। इस दौरान लघुकथा सत्र में 25 लघुकथाकार व साहित्यकारों की एक दर्जन पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्याम बहादुर सिंह ने कहा कि यह सौभाग्य है कि वृंदावन में भारत नेपाल साहित्य संस्कृत महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इस आयोजन से भारत और नेपाल के मध्य जो सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के संबंध हैं उसको विस्तार मिलेगा। कुलपति डा घनश्याम न्यौपाने परिश्रमी, नेपाल के साहित्यिकार डा देवी पंथी, पूर्व प्राचार्य डा. के के शर्मा, राधारमण मंदिर के सेवायत पद्मनाभ गोस्वामी, ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डा. उमेश चंद्र शर्मा, गीता विशेषज्ञ महेश चंद्र शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सरस्वती वंदना शीतल राघव देवयानी द्वारा प्रस्तुत की गई। संचालन डा. हरेन्द्र हर्ष और गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। गीता शोध संस्थान के निदेशक डॉ. दिनेश खन्ना आभार व्यक्त किया।

गंदे नाले के पानी में डूब गई किसानों की पकी फसल

मथुरा। कस्बा राया के समीपवर्ती गांवों में नगर पंचायत का पानी किसानों के लिए परेशानी पैदा कर रहा है।जिस गन्दे नाले के पानी से किसानों की पकी पकाई फसलें प्रभावित हो रही हैं। यह सिलसिला बीते कई वर्षो से चल रहा है। राया से सादाबाद रोड़ कस्बा के समीपवर्ती गांव नगला थाना,पडरारी,सारस गांव के किसानों को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। किसान इस पानी की रोकथाम के लिए विधायक से लेकर प्रशासन का दरवाजा खट- खटा चुके हैं। किंतु परिणाम शून्य रहे। रात दिन गन्दे नाले का पानी खेतों में चल रहा है। गेंहू की फसल कटाई का समय है। लेकिन पानी भरा होने की वजह से फसल पूरी तरह बर्बाद हो रही है। गांव के ही सुरेश चन्द,त्रिलोक नाथ तेजपाल शर्मा जगमोहन शर्मा कमियां शर्मा सोमवती देवी सहित करीब आधा दर्जन किसानों की फसल बर्बाद हो रही है।दर्जनों किसानों का कहना है की इस समस्या के निराकरण के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों के पास गये।नगर पंचायत के अधिकारियों को भी कई बार अवगत करा दिया किन्तु आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। कन्हैया शर्मा ने बताया कि नगर पंचायत का गंदा पानी साले से होकर निकल रहा है और नगर पंचायत के कर्मचारी ओके हुए पानी को खेतों में कार देती हैं। जिससे खेतों की फसल बर्बाद हो रही है।

शहीदी दिवस पर विशेष होगी कोयलांचल की शाम, लांस नायक दीपचंद करेंगे शिरकत

एक शाम शहीदों के नाम

स्वतंत्र प्रभात

कोयलांचल। शहीदों के सम्मान व श्रद्धांजलि के प्रति समर्पित संभाग ही नहीं अपितु प्रदेश स्तर पर जिले के कोयलांचल में होनें वाला सबसे बड़ा कार्यक्रम "एक शाम शहीदों के नाम"की तैयारियां अंतिम चरण में है। इस कार्यक्रम को लेकर जहां जनमानस में प्रतिवर्ष की तरह उत्साह है वहीं यर कार्यक्रम समूचे जिले को गौरन्वित करता है। इस कार्यक्रम में देश की आजादी में हिस्सेदार बनें उन तमाम क्रांतिकारियों, वीरसपूतों को श्रद्धांजलि देकर न सिर्फ याद किया जाता है बल्कि कार्यक्रम का उद्देश्य उन क्रांतिकारियों के परिजनों से मुलाकात कर उन तमाम पहलुओं को आमजन से साझा किया जाता है जिसे आमजन कम ही जानते हैं। बीते लगभग एक दशक से हो रहे इस कार्यक्रम का इंतजार जहां क्षेत्रवासियों को रहता है वहीं आगामी 23 मार्च शहीदी दिवस को यह कार्यक्रम संपन्न होनें जा रहा है।

शिरकत करेंगे लांस नायक दीपचंद जिन्होनें देश के लिये गंवा दिये दोनों पैर व एक हांथ

23 मार्च को होनें जा रहे इस कार्यक्रम में लांस नायक दीपचंद जी शिरकत करेंगे। नायक दीपचंद जी देश के प्रति अपना जीवन समर्पित कर देनें वाले उन क्रांतिकारियों में से एक है जिनके पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हरियाणा के हिसार निवासी दीपचंद जी वर्ष 1989 में सेना में भर्ती हुये थे। दीपचंद जी नें खुफिया विभाग में काम करते हुये कश्मीरी लैंग्वेज कोर्स करनें के बाद ड्यूटी ज्वाइन की थी। रिटायर्ड लांस नायक दीपचंद जी को 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान टाइगर हिल में तैनात किया गया था। कारगिल युद्ध में मिसाइल रेजीमेंट का हिस्सा रहे दीपचंद जी नें आपरेशन विजय में तोलोलिंग के ऊपर सबसे पहला गोला दागा था। इन्होनें करीब आठ आतंकवादियों को मौत के घाट उतारनें में अहम रोल अदा किया था। टाइगर हिल के 17 हजार फिट की ऊंचाई पर दीपचंद जी नें न सिर्फ दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिये और हौशला तोड़ा बल्कि अपनें साथियों की जान भी बचाई।

तोप का गोला फटनें से हुये थे जख्मी, खाना नहीं गोला-बारुद की करते थे मांग

कारगिल युद्ध के दौरान तोप का गोला फटनें से दीपचंद जी बुरी तरह जख्मी हो गये थे, यह हादशा उस समय हुआ जब जब दीपचंद जी और उनके साथी आपरेशन पराक्रम के दौरान वापसी के लिये सामान बांधनें की तैयारी कर रहे थे। बुरी तरह से जख्मी दीपचंद जी के बचनें की उम्मीद कम ही थी। डॉक्टर उनका लगातार ईलाज कर रहे थे और उन्हें बचानें के लिये डॉक्टरों को उनकी दोनों टांगो और एक हाथ को काटना पड़ा। इस दौरान उनका इतना खून बहा कि उन्हें बचाने के लिये 17 बोतल खून चढ़ाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक दीपचंद जी को जब उनके साथी सप्लाई देनें आते थे तो वह उनसे कहते थे कि उन्हें खाना मिले या न मिले गोला बार बारुद ज्यादा से ज्यादा मिलना चाहिये। उनकी बटालियन नें 10 हजार राउंड फायरिंग की। और उनकी बटालियन को 12 गैलेन्टरी अवार्ड मिले और कारगिल जीतनें का सौभाग्य मिला। भूतपूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत द्वारा दीपचंद जी को उनकी बहादुरी के लिये "कारगिल योद्धा" की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में लांस नायक दीपचंद जी "आदर्श सैनिक फाउंडेशन" के जरिये ड्यूटी के दौरान विकलांग हुये सैनिकों के कल्याण के लिये काम करते हैं।

शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है कार्यक्रम का आयोजन

गौरतलब है कि बीते लगभग एक दशक से शहीदों को याद करते हुये उनके सम्मान में होनें वाले इस कार्यक्रम का आयोजन शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन के ?नेतृत्व और आमजनता व युवाओं की सहभागिता से प्रत्येक वर्ष शहीदी दिवस 23 मार्च को किया जाता है। इस वर्ष 23 मार्च 2025 दिन रविवार को कोयलांचल नगरी बुढार के तहसील ग्राउंड में "एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस कार्यक्रम को लेकर जहां जनमानस में उत्साह है वहीं इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन नें इस मौके पर आमजनजा को आमंत्रित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देनें व कार्यक्रम को सफल बनानें की अपील की है।